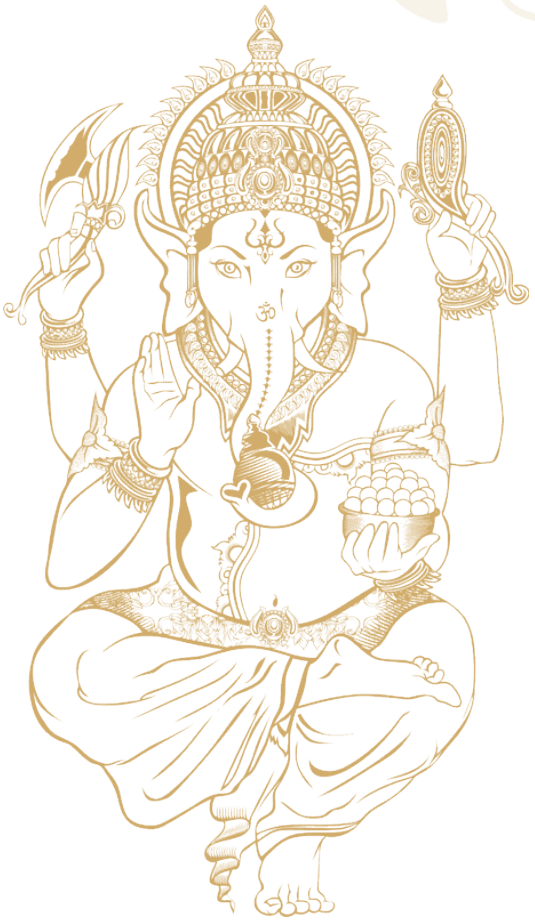

Deepak Priya

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121604603

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
14/11/1994	जन्म तिथि	13/02/1998
सोमवार	दिन	शुक्रवार
घंटे 18:27:00	जन्म समय	17:30:00 घंटे
घटी 29:09:21	जन्म समय(घटी)	26:02:38 घटी
India	देश	India
Solan	स्थान	Saharanpur
30:54:00 उत्तर	अक्षांश	29:58:00 उत्तर
77:06:00 पूर्व	रेखांश	77:33:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:36	स्थानिक संस्कार	-00:19:48 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:47:15	सूर्योदय	07:01:58
17:24:37	सूर्यास्त	18:06:27
23:47:18	चित्रपक्षीय अयनांश	23:49:47

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
बुध 16वर्ष 0मा 13दि	16:34:07	वृष	लग्न	कर्क	23:49:25	शुक्र 4वर्ष 6मा 11दि	
शुक्र	28:08:17	तुला	सूर्य	कुंभ	00:44:51	राहु	
28/11/2017	17:25:19	मीन	चंद्र	सिंह	23:38:47	26/08/2025	
28/11/2037	26:46:00	कर्क	मंगल	कुंभ	21:12:25	26/08/2043	
शुक्र 29/03/2021	11:53:02	तुला	बुध	मक	23:57:42	राहु 08/05/2028	
सूर्य 29/03/2022	00:43:13	वृश्चि	गुरु	कुंभ	08:19:43	गुरु 01/10/2030	
चन्द्र 28/11/2023	10:25:15	तुला व	शुक्र	धनु	25:45:03	शनि 07/08/2033	
मंगल 27/01/2025	11:54:52	कुंभ	शनि	मीन	22:41:14	बुध 25/02/2036	
राहु 28/01/2028	21:02:32	तुला	राहु	सिंह	16:40:04	केतु 14/03/2037	
गुरु 28/09/2030	21:02:32	मेष	केतु	कुंभ	16:40:04	शुक्र 14/03/2040	
शनि 28/11/2033	29:23:20	धनु	हर्ष	मक	15:47:00	सूर्य 06/02/2041	
बुध 27/09/2036	27:17:18	धनु	नेप	मक	06:44:03	चन्द्र 08/08/2042	
केतु 28/11/2037	03:56:35	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	14:02:31	मंगल 26/08/2043	

लग्न-चलित

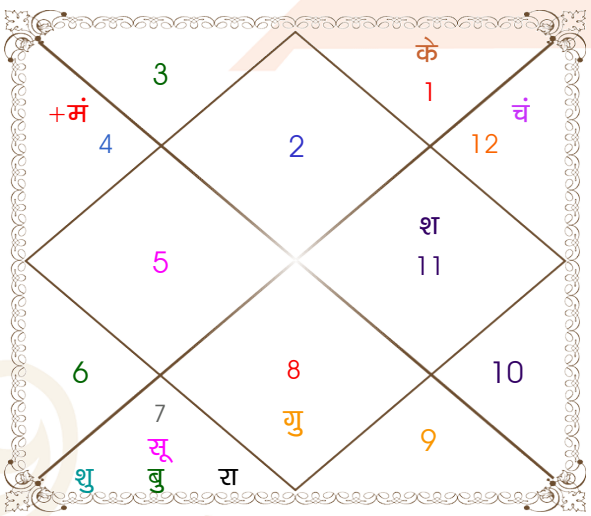

लग्न-चलित

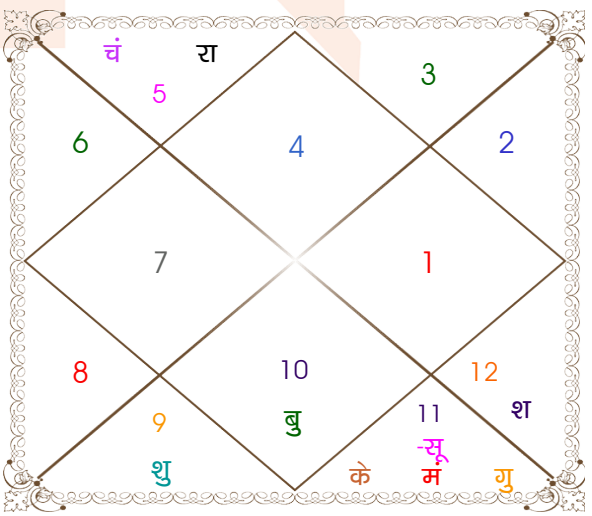

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	क्षत्रिय	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	वनचर	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	मित्र	विपत	3	1.50	--	भाग्य
योनि	गज	मूषक	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	गुरु	सूर्य	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मीन	सिंह	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	24.50		

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

क्ममचां का वर्ग सर्प है तथा Priya का वर्ग श्वान है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार क्ममचां और Priya का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

क्ममचां मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है।

Priya मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

अजे लग्ने व्यये चापे पाताले वृश्चिके स्थिते।
वृषे जाये घटे रन्ध्रे भौम दोषो न विद्यते।।

अर्थात् मेष राशि लग्न में, द्वादश में धनुराशि, चतुर्थ में वृश्चिक राशि, सप्तम में वृष राशि तथा अष्टम में कुम्भ राशि में मंगल स्थित हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Priya कि कुण्डली में अष्टम् भाव में कुम्भ राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं गुरु Priya कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु क्ममचां कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

क्ममचां तथा Priya में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।